

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

"NewsPaper" "NewsPortal" "NewsChannel"

गुरु पूर्णिमा
विशेष
शुभकामनाएं

सतर्क रहें- सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : ८ अंक : 354

इंदौर, लोगबाड़ ०३ जुलाई, २०२३

पृष्ठ : ८, ग्रन्थ : २ रुपये



गुरु में पंच परम तत्व...



मेरे भाई बहन... हम पंचतत्व
से परिचित हैं... पृथ्वी...
आकाश... अग्नि... तेज अथवा
तो प्रकाश... वायु... जल...

विभुवनीय दिन है गुरु पूर्णिमा ...तो इसी कथा
में हम सब संवेदन के रूप में जल भर के गुणों
की वंदना कर लें ... सभी आचार्यों की वंदना कर
लें ... सभी बुद्ध पुरुषों की वंदना कर लें ... सभी
परम्पराओं की वंदना कर लें ... सभी अध्यत्मों की
वंदना कर लें ... परम साधुओं की वंदना कर लें
... क्यों? ... इसलिए कि हमरे में पंच तत्व हैं...
लेकिन गुरु ये तत्व नहीं हैं ... गुरु परम तत्व हैं...
...नास्तिकत्व ग्रे रोपम...



1...पृथ्वी

पृथ्वी तत्व है ...लैकिन
गुरु परम तत्व है ...हम
सभी जाने वाले हैं पृथ्वी में
भूखल आता है ...एकांक
टूटते हैं ...अतिरिक्त सभा
हो जाता है ...पृथ्वी खंड
जाती है ...कई मूलों में
पृथ्वी से लात रख भालता है
और मौली तक रख भूमि
भर्मायी हो जाती है ...

लैकिन परम तत्व यों जूँ
है कि प्रभा की भूखल नहीं
आता है ...अपने जीवों
यों युक्त नहीं ...ठोक दे यो
नु... परम तत्व युक्त हो
है जिसमें कठोर वातानी
निकलता है ...गुरु में
से कठोर से लात रख भालते
और सबको भर्मायी भर
दें ...कठोर का जलत पूर्णा
में है ...गुरु की भूमि
भर्मायी भूमि करता है ...उद्धव
पृथ्वी करता है ...उद्धव

गुरु के सभा शेषवान
और शहनाशील विश्व में
कोई नहीं ...हस्तिरहीं
तत्व ही है ...परम
तत्व है ...

2...जल...

हमरे जल है ...गुरु परम तत्व होते हुए उसमें
सब प्रवर्ष का जलत होता है ...उसके
अंत कर्म का जलत होता है ...गुरु पूर्णिमा होता
है ...जलत के लिए परिचय करता है ...गुरु सागर का
जल है ...विश्व का सागर ...ये जलत हुआ है ...कल्पा
सिंह ...गुरु बहती गंगा है ...जलत हुआ तीर है ...

4...वायु

हमरे शरीर में तत्व है वायु ...वायु के ३ गुण हैं जलसी में... मद... सूखा...
जीर्णी... गुण में जलत है तब उसके पास यों जानी है ...उसके पास यों बढ़ा
सामने वाला का विवरण हो जानी है ...उसके पास यों में
जलत है ...मद... सूखा... या
उसे बढ़ावा देने जाती है ...वो बढ़ावा में जलत है ...लैकिन कठी
उसे जलत देने के लिए ...इकाना अंतिकर और हो सुनहरा है ...यही
पौरी दीवी नहीं ...यह एक विद्युत करने की जलत है ...गुरु का सामनेय
...ये विद्युत शरीर के लिए बढ़ावा देने की जलत है ...ही उसकी भी भूमियत जलत
है ...i know ...दूर हो जाए भी ये जलत हुआ है ...इसीलिए
उसे ...चौंकी लंगी... जो जाति दे यो बुद्ध पूर्णा ...अर उसके बास नहीं
उसके बास हो उसके भी जलत हो जाए ...

गुरु एक ऐसी शीलता है ...यों सिर्फें आपने रखता है कि उसके
पास बैठने से जिनी उत्तमों की शीलता होती है ...कठिनी नहीं देती ...कठी यो
जडत की जात न हो तग जग ...जग शीलता उसमें तो जडता ना आ
जाए कि हात तो ये हैं ...

झूँझूँ ...प्रयोग शरीर में गंगा होती है ...लैकिन बुद्ध पूर्णा में एक नूरी
झूँझूँ होती है ...एक विद्युत रसें ...टोटी विद्युत ...ये दुनिया के
किनारे भी इत्र में नहीं हैं ...किन्तु भी रोपमूर में नहीं हैं ...वहीं पैरिस से
तो आओं परपरम...

3...अग्नि ...

हमरे जैसे शरीर में अग्नि है ...ज्ञान हो तो हम जल
जाते ...गुरु में ज्ञान होता है ...अग्नि में
समस्त कठोरी की... प्रकाश ...संविदं ...किन्मारा... कठी
कठी उसके पास अग्न जलने में घूसता नहीं ...पैरी
बुद्ध पूर्णा में बिलकुल अग्नि होती है ...ह खोलवेद ...ह
गोविंद ...हो गोविंद ...

5....आकाश....

इन पूर्ण के पास छाताकाश
महाकाश होता है ...लैकिन
परम तत्व होने के लिए उसके
पास कठीं पास यों जानी होता है ? ...रुद्राक्ष में जिक्र है
विद्याकाशाकाश वास जन्मता है ...
इन आकाशों में ऐसे कठीं आकाश
गायत्री हो जाए हैं ...निरन्तर...
अवरां ...ये जिस में समाया
हुआ है ...ये आकाश निरन्तर है
लैकिन ऐसे कठीं आकाशों
में ये विद्युत बहुत बड़ा में
जाए है ...परम तत्व होने के लिए
जो पूर्व यों जाता होता है ...वहीं
सब को अपनी यों जानी में समर्पित
करता है ...उसका आकाश छिटा

॥ जान कथा - जलना काम्पियाह॥
वार्ता - www.dgr.co.in

'गुरु की पादुका
फर्नीचर नहीं है'
तुम्हारा प्यूर्व

पूर्ण विषय को बहुत प्रेम करता है ...
और इस ममता के कारण कहता
है कि आप जिसमें मानते हों
जिसमें ब्रह्म हो ...शिव... द्वारा... गण...
कृष्ण... हमने जी... यों भी हो... वैष्णव
विष्णु... अब विष्णु... ब्रह्म... वैष्णव...
यों भी हो ...एक प्रतर की सुविधा हो ...यों एक वार
उसके समने यों दीक्षा ...यों दीप जलाना...
और कठी नहीं ...

अंतिमवार प्रकाश हो जाना... इतना हम
का समकाल है ...इंडॉ-वैष्णव... सामाजिक... ज्ञान...
तथा ...हम इस काल सक्षम हैं ...

खेल में कठी काना... मधुवी कठी काना...
आपका कठी काना... जिसमें यों यों...दो
दीप... कुछ पाने के लिए नहीं ...सिर्फ़ प्रकाश
के लिए ...और विष्णु कुछ नहीं ...

सिर्फ़ कुछ विषय में अपनी पूर्णि. नियम हो

उनके 2 पांच कठीं रखिए ...अपना पर... अपना

पारिवार... इसके 2 पांच कठीं रखिए ...मेरा

अपना अपना है ...

अंतर याद रखना... यों की पादुका फर्नीचर
नहीं है ...इतना व्यापक है ...हमारा नहीं है ...ये

कठी का फर्नीचर नहीं हो जाए की बाबा की

कठी... अपना नहीं जो बाबा हो जाए की कठी

...मीरी दीप बाबा जिसले ही की उसको

बीच ले लिया था ...अपनी कठी अपने गुरु

में होनी चाहीए ...

मैं तो एक बड़ा संकर अपारा हूं गंग गाव

...पूर्ण के पास एक पांचकांड कठी देता हूं ...

एवं यों और यों यों ...पूर्ण कठी कठी से अपारा

पर है ...और कठी काना... मधुवी कठी काना...
अपने पांच कठीं जो बाबा हो जाए की कठी

कठी... अपना नहीं जो बाबा हो जाए की कठी

...मीरी दीप बाबा जिसले ही की उसको

बीच ले लिया था ...अपनी कठी अपने गुरु

में होनी चाहीए ...

मैं तो एक बड़ा संकर अपारा हूं गंग गाव

...पूर्ण के पास एक पांचकांड कठी देता हूं ...

एवं यों और यों यों ...पूर्ण कठी कठी से अपारा

पर है ...और कठी काना... मधुवी कठी काना...
अपने पांच कठीं जो बाबा हो जाए की कठी

कठी... अपना नहीं जो बाबा हो जाए की कठी

...मीरी दीप बाबा जिसले ही की उसको

बीच ले लिया था ...अपनी कठी अपने गुरु

में होनी चाहीए ...

2...पांच... कठीं कठीं कठीं कठीं

2...माल... लालाकाश और गीता...ये सब

प्रियतर होते हैं ...

मधुवी भी है सारा ...

बीच भी हैं गाव...
जब बड़ा कूँड है तब भी गाव है...

जब बड़ा गोव है तब भी गाव है...

और बड़ा कूँड है तब भी बाबा बाबा तब एकमात्र

राम बर्चने...

कान्ह नदी के स्टाप डेम पर स्लज गेट का संचालन दो साल से बंद ...

बारिश में पानी रोकने में आएंगी परेशानी

१८ दिनेश्वर राय शिंदे

इंदौर। काठा सरस्वती नदी डेम पर स्तुज गेट (लोहे के गेट गए हैं। इनका मेटेनेंस पिछे देख नहीं हुआ है। ऐसे में बरसात रोकने में परेशानी हो सकती देखते हुए नगर निगम के अफजां और गेट के सचालन संघ

है। नहीं किया जावाकि टेंडर शात में गेट का मैट्टेनेस शामिल था। इस काम को करने के लिए नियम के अनुसार जो काम बाहर काला पर टेंकेदार एजेंसी ने नहीं किया। इस पर टेंकेदार एजेंसी को टर्मिनेटर कर दिया है। डायलॉगिक कानून सरस्वती नदी के स्टाप डेम पर ईंटर के टेंकेदारों ने भी लगाया, यहर ऊपर के मैट्टेनेस कानून को नहीं शामिल नहीं थी।

क्षम नाला टेपिंग के जरूरि सिखा। ड्रेनेज के आठतां फलस बने होने से जाता काहन सरलताती नदी सहित नाले सूखे गए, वहाँ नदी में स्थलभर पानी भरे रहने का दिखाया सपना भी टूट गया। बरसात के दिनों में ही नदी-नाले लालाताल नवर आये थे। वारिस रहते ही लंबे मंथनी कम और अम-द-कर्मा ज़बदा नर आती है। कामी नाले नदी सुखन की एक बड़ी बदल नदी-नालों पर पर्यावर

ठांडे लगे हैं गेट

कान्ह सरसवी नदी पर स्तुत गेट अवासा, अमिती नगर, मुख नामक कलंतीन, आजाद नगर, जगभाल घुपल (छावनी), गणराज चाट, यमुना यमुना के साथने शिवालय मार्कट के पांचे, तुमराती कलंतीज, गूरी ईरो अंडर ब्रिज, चंद्रगढ़ी और हार्डेंग नगर सहित 15 जगहों पर निर्माण हो गया है।

----- हारे के सहारे, खाटू श्याम हमारे -----
विप्र नारी शक्ति सेवा संस्था की
खाटू श्याम कथा आयोजित

© डिटेक्टिव चृष्ण रामोहन

**गोंदवले धाम में काकड़ आरती के साथ आर
इथा तीन दिवसीय गुरु पोर्णिमा महोन्मत**

अहिल्यालोक प्रोजेक्ट को सरकार ने
इंदौर से महेश्वर में शिप्ट किया

- अब इंदौर में केवल अहिल्याबाई का स्मारक बनेगा

इंद्री। शह के सबसे
व्यापक राजवाडा पर बनने
वाले अधिकारकों को गवाह
मरकाने ने स्थान परिवर्तन
करते हुए मामले में विचार कर
जाना है। शहार में अब केवल
अंग्रेजों का स्थान है।
बनाए और इसके लिए पूरी
आटोमीटों का कारबाही की। 3
एकड़ बर्मीन ममले के लिए
नगर बनाने की चिंता चुकी है।
पिछले दिन हुई बायो-पर्सन
को बोले जाने के बाद यह की

मुख्यमंत्री द्वारा की गई^१ प्रवास घोषणाएँ

२ अंगूष्ठ से अधिकारोंकी जाग

- इसके नाम से अलग होकर यह क्षमा निमित्त विद्या जापाना। इसके लिए 3 एकांक भूमि दी रखी है।
 - महाविष्णु वंश की अहिंसाधार्थी लोक दल विद्या जापाना।
 - प्रदेशों में मां अहिंसा देवी कथाओं और गीतों का संग्रह, चित्रालय, गवर्नरी और सरकारी भी भास्तुत, श्रीमती उपराजकांता भी रामायण विद्या। बोंड द्वारा अन्यांश के बारे में विद्या जापाना।
 - मां अहिंसा देवी की जर्जरी पर मध्यवर्ती दल में प्रेक्षित अवधारणा जापाना।

उपचार के बजाय रोगों की रोकथाम अधिक महत्वपूर्ण : डॉ.पाटीदार

५ डिल्लीमध्ये यांना सिवाय
इंदौरी रोग जाग अपाणा विश्वास
मार्गी काढून काढून मार्गामध्ये आ जाग नाही
तर उसके बाबतीची सांभारी पीढी
वाचून वाचून यांना वाचून वाचून वाचून^१
यांची अधिकारीक दस्ती
हातात नाही हात आणि पाठेनां भांडी
अलंकारी रोग को प्रतीक
जागावाट प्राप्त करावाऱ्या
मरु सोकेण कैवळ कैवळ कैवळ कैवळ
विश्वासानेन्द्रीने से वाचून सकतो हाते
वाचून-नावळ-मात्रा विश्वासान
प्रतीकादीवर आणि आजाभार विविध
वाचून यासम आजाविश्वासान
प्रतीकी समृद्धी विश्वासान विकासान
द्वादशांदा की असराम रप्पे प्रभाव
मार्गी मार्गी अपाणे दुर्घटना विश्वास



1500 एकड़ में बनेगा मित्रा पार्क

● इंदौर-पीथमपुर में काम कर रही 6 इंडस्ट्री 4 हजार लोगों को देंगी रोजगार

● इंदौर-पीथमपुर में काम कर रही 6 इंडस्ट्री 4 हजार लोगों को देंगी रोजगार

इंदौर । इंदौर से 110 किमी दूर
धार विले के घेरोंतान में तेजावा, हाँ
है मित्रा पार्क के जरिए मध्यप्रदेश को टेक्नोटाइक और गोमंदंग व्यवस्था के रूप में विकसित करने की तैयारी तेजी से चल रही है। इस पार्क के जारी कुल 25 हजार लोगों को रोजगार मिलाना। देश की सिवाय 25 टेक्नोटाइक व गोमंदंग इंडस्ट्री इन पार्क में 6 हजार 500 करोड़ रुपए का निवेश करेगा।

एपीआईडीएस से मिली जानकारी के अनुसार इस पार्क में इंदौर-पीथमपुर में काम कर रहे 6 इंडस्ट्री भी लगभग 565 करोड़ रुपए का निवेश कर रहे हैं। इन 400 लोगों को डायरेक्ट और इनडायरेक्ट रोजगार देंगे। इंदौर-पीथमपुर को देंगी रोजगार

● पीथमपुर के 6 उद्योग कर्मचारी निवेश

दिल्ली में स्थित दिल्ली टेक्नोटाइक मिलिनी की बैठक 6 बी एस एस टेक्नोटाइक के अधिकारी और यह उद्योग के अधिकारी द्वारा किया गया है। इसमें दो जारीकरी दिल्ली के अधिकारी लोटी ने यह शी कि इंदौर-पीथमपुर 6 व उद्योग के लिए 565 कारबॉल रखा छोटे स्टेट कर्मचारी। इंदौर-पीथमपुर में यह सिविल 251 कारबॉल रखा, एम्पीली 125 कारबॉल, प्रिंटिंग 55 कारबॉल, डेसिप्रेशन 50 कारबॉल रखा, बैंकिंग मोर 50 कारबॉल रखा, और दिवर कर्मचार 35 कारबॉल रखा का निश्चय कर दिया। ऐसीवैश्व तरफा 4 लाख 400 लोगों को रोजगार देंगे। इसके अलावा 20 कारबॉल 35 कारबॉल कर्मचार के कारबॉल इंडस्ट्री।

इंडस्ट्री के अधिकारी देश की 15 इंडस्ट्रीज में पार्क में इंडस्ट्री की सोनोवा बनाना है। यह कंपनीजान की मात्रा में करेंगे 6 हजार कर्मचार रखा रखना का निश्चय कर रखा है। मंजीरा राज्यकानन निहं दरोगाव वाला कर्मचार 21 हजार 400 लोगों को रोजगार देंगे। मंजीरा राज्यकानन निहं दरोगाव वाला कर्मचार 21 हजार कर्मचार दो साल में तैयार हो जाएगा।

पक्ष में 8 से 10 हजार कर्मचार रखा रखना का निश्चय इंडस्ट्रीज द्वारा कर्मिंटड स्टर किया गया है। मंजीरा राज्यकानन निहं दरोगाव वाला कर्मचार 21 हजार 400 लोगों को रोजगार देंगे। मंजीरा राज्यकानन निहं दरोगाव वाला कर्मचार 21 हजार कर्मचार दो साल में तैयार कर्मिंटड किया गया है।

विद्यार्थी किताबी ज्ञान तक स्वयं को सीमित न रख प्रेविटकल बने : डॉ. इलया राजा टी

● नीतिकालीन के प्राचीनतावादी वालों का द्वाया समाज

● विद्यालय पुणी सिरों

इंदौर अनेक जीवान का एक लक्ष्य बनाती और निर दो घोंसे के लिए सारी जीवन लाना देती है। यह काम किया जाना तक ही संस्कृत नहीं रहे, इस प्रियोलित तक जगहांसी के साथ में भी हासिल करती है। हमारे अध्यात्मन में दैनन्दिनी और पारदर्शित दोनों होने चाहिए।

यह विवर करना चाहिए, इन्होंना दें कि है, जो उन्होंने दैन भूत द्वारा महिला के सम्बोधन के महावीर वर्षों के सम्बोधन सम्बोधन कमिलियत के सम्बोधन के सम्बोधन में मुख्य अधिकारी के रूप में व्यवहार किया। वर्षों के विशेष अधिकारी वर्षों के अधिकारी लोटी और राज्यकानन ने सम्बोधन के सम्बोधन के अधिकारी लोटी और राज्यकानन ने उन्हें उत्तराधिकारी हासिल करने वाले प्रतिवाचन वर्षों को भी सम्बोधन किया रहा।

Issues with Your Partner?

Habits

Doubts

External-Affairs

Family Disputes

Jealousy

Misunderstanding



TALK TO US

+91-9111030505

www.counsellingclub.co.in

info@counsellingclub@gmail.com

समस्या आपकी - समाधान आपकी

संपादकीय

युद्ध समाप्त करने की अपील

पुतिन अब अपने ही देश में घिटों नज़र आने लगे हैं। बैंगल राज्य की बागानों के कमज़ोरी को कमज़ोर किया है। ऐसे में लग रहा है कि अगर ठस पर दबाव बढ़ाया जाए, तो वह अपने कदम बाहर छोड़ देंगे और बातचीनी की भेज पट आने को तैयार हो सकता है। मगर ठस के कड़ा में अभी लगातार जन नहीं आ रहा। बैंगल को शात करने में उसके कामयादी हाविल कर लाए हैं। दरअसल, एक बात किंतु आठत के प्रधानमंत्री ने ठस के टाइपिंग पृष्ठिन से फोल पर बात कर यूकेन युद्ध को लागान करने की अपील की। पहले भी प्रधानमंत्री ने फोल पर बात करके इस जानकारी को सुलगाने की अपील की थी। शाराएँ झाव्हायों ढंगठन के लिए ठस में आवाज़-टावाज़े के लिए कट उल्लंघन पुतिन को जग खाल करने की सलाह दी थी। तब पुतिन ने कहा था कि वे जारी बातों पर अलग करेंगे, मगर बापस लौटे ही उल्लंघन यूकेन पर फूले तेज़ कर दिए थे। दरअसल, दुनिया के तात्प्रक देश आठत की तरफ नज़रे लगाए हुए हैं कि अगर वह मध्यस्थित करे तो ठस-यूकेन युद्ध ठस सकता है। इस लिंगासिले में प्रधानमंत्री ने यूकेन के टाइपिंग वीलोटिंग जेलकुकी से भी बातचीनी की थी। उल्लंघन भी सकाटारक ठस दिलाया था। मगर कठीब सवा साल से चलते ही युद्ध में दोनों देश विशेष गुटवारियों में कुछ इस टटक उलझा गा है कि उन्हें दूसरी बाट निकलने का तात्पर नहीं गिल पा रहा। ठस बाहर की यूकेन की सादबायान न ले, मगर यूकेन अपने हित नाटों के साथ ठहने में ही सुशीलित जाना हुआ। एक बड़ी पर्याप्ती देश यूकेन के सामने है। जबकि ठस को वे देश विल्फूर्ड नहीं सुहाना। ठस को थीन का समर्पण हालिये है और अंगोरिया, फ्रान्स, जर्मनी, विटेन के वर्तमान को बदला रहा है। इस तट ठस-यूकेन युद्ध में दुनिया दो बहुतीं वें बढ़ गई है। मगर इस मार्धर्ष में कोई भी दोस्त खुल कर इकलौते मैंने उल्लंघन दिलाया कि महायुद्ध की विशिष्टिकाएँ एक बार किंतु दूसरों पर टेट्टीं। इस युद्ध के चलते पहली ही विश्व आपूर्ति खूबला वापरित हुई है। महानगर पर कानू पान बहुत दाढ़ी देते हों के लिए खुबलिल बना हुआ है। ऐसे में हट कोई चाहता है कि किसी भी तरफ यह युद्ध बदल सकता था। और यूकेन दोनों से वर्तमान के लिए असामाजिक विटेन से भी। इडालिंग थाकरक पश्चिमी देश चाहते हैं कि आठत इसके बाहर करना। इसके बाहर करने की अद्यता कर रहा है, इडालिंग भी उसका इस तरुण के देखों पर दबाव लगा कर युद्ध को दिलान देने का दायित्व बढ़ गया है।

अर्द्ध
किया है।

पानी नींवें छोड़ा करते पेड़ों पर कोई निराम
भीतर बैठे रहते हैं प्राण बनकर, गुपचाप
यार करने का एक तरीका ये भी है।

संर सपाटा

उत्तराखण्ड में हैं ये खूबसूरत वॉटरफॉल्स

बारिश में बढ़ जाती है सुंदरता



अगर धूममें के लिए

जगह भीसम के के
मुताबिक चुनी जाए
तो द्विप यादगार बन
जाता है। बारिश के
समय में वॉटरफॉल्स
की सुदृढ़ता कई गुना
बढ़ जाती है। ऐसे में

इस मासम में आगर
आ कहीं धूममें की
जगह देख रहे हैं तो
आप उत्तराखण्ड जा
सकते हैं। यहां पर
कुछ बैदेश खूबसूरत
वॉटरफॉल्स हैं, जिन्हे
आप पार्टनर या फिर



कंडोल फॉल्स

ये कंडोलफॉल्स
मण्डप में बाहर
की ओर हैं। अब
आप इस दिल्ली के
असामाजिक
क्षेत्र से हो जाएं तो
एक दिन में ही इस
जगह को देख सकते हैं।



नीर गढ़ फॉल्स

मध्येक्षेत्र से केवल
मात्र 25 किलोमीटर
की दूरी पर है। ये
अब आप इस दिल्ली
के असामाजिक
क्षेत्र से हो जाएं तो
एक दिन में से एक ही।



बुंदियारा फॉल्स

बुंदीयारा होने के
कारण, खूबसूरत
फॉल्स के चर्चे
ओं और सान्दर्भ
नज़र दिल्ली हैं।
समुद्र तल से से
400 फूट ऊपर
ने लगाया है।



चंद्रकांते लेहे देशन
से जी जी खूबसूरत आसामी
से पूर्व चम्पानी है। ये जगह
चंद्रकांते के पूर्व
मध्यमे ज्यादा समय है। इस
झारे पर यह फूल भी और
यहां पांड जनन जाता है। रात्रि
सिंहों तिलियों द्वारा इस जगह की
खूबसूरती को बढ़ाती है।

मध्येक्षेत्र से केवल
मात्र 25 किलोमीटर
की दूरी पर है। ये
अब आप इस दिल्ली
के असामाजिक
क्षेत्र से हो जाएं तो
एक दिन में ही इस
जगह को देख सकते हैं।

Highlights

1. 3 MCC members suspended after verbal fight with Australian cricketers at Lord's Long Room

2. 6-ft-deep hole spotted in field after rains in Joshimath, sparks panic

3. Father fights with man for touching his daughter inside Vista flight, video goes viral

4. Rioters break into Volkswagen showroom, drive away in brand new cars in France

5. Philippines tourism video uses images of other countries, ad agency apologises

6. His death being used as excuse to cause havoc: Nahel's grandmother on riots in France

'Don't refer to it as Gabbar Singh Tax, it helped citizens': Nirmala Sitharaman to GST's critics

NEW DEIHI, (Agency). As the Goods and Services Tax (GST) marks sixth anniversary on Saturday, Union finance minister Nirmala Sitharaman slammed critics dubbing it as the "Gabbar Singh Tax". Terming the jibe 'shameful', the minister said GST actually provided relief to the common citizens of the country.

Sitharaman further said that the previous tax system before GST involved multiple taxes leading to a cascading effect, where the same product was taxed multiple times, making it costlier for consumers. She highlighted the positive impact of GST, mentioning that post-GST, the "revenue buoyancy of states" has increased, the ability to collect greater revenue without changing the tax rate.

On GST Day, Sitharaman traced its journey as "One Nation, One Tax, One Market," and emphasised how GST has nurtured India's economic ecosystem. "Today is the 6th Goods and Services Tax #GST Day as GST was launched on 1st July 2017. Let's trace this iconic journey of #OneNation #OneTax #OneMarket and see how GST@6 is nurturing the Economic Ecosystem of India," Sitharaman tweeted. She mentioned that reduced taxes under GST have brought



happiness to every home, providing relief on various daily-use consumer goods.

Sitharaman also highlighted that GST implementation has simplified tax compliance for taxpayers, leading to an increase in the number of registered taxpayers from 1.03 crore in April 2018 to 1.36 crore by April 2023.

Gross GST revenue in June

In June, GST collection crossed ₹1.60 lakh crore mark, according to the finance ministry. This is the fourth time since the inception of GST that the gross collection has exceeded ₹1.6 lakh crore. Additionally, this is the seventh time that the collection has surpassed ₹1.50 lakh crore milestone since its introduction. The revenue collected in June 2023 is 12% higher than the GST revenues

collected in the same month last year.

When GST was initially introduced in 2017, the monthly GST revenues ranged from ₹85,000–95,000 crore. However, over time, these revenues have significantly increased and now stand at around ₹1.5 lakh crore, with a tendency to keep rising. The collection reached an all-time high of ₹1.87 lakh crore in April 2023.

GST introduced in 2017

A nationwide Goods and Services Tax (GST) was introduced on July 1, 2017, replacing 17 local taxes such as excise duty, service tax, and VAT, along with 13 additional charges. Prior to GST, the combination of VAT, excise, and CST, along with their cumulative impact, resulted in an average tax burden of 31 per cent for consumers.

Byju's co-founder Divya Gokulnath shares employees' post-town hall messages

NEW DEIHI, (Agency).

Byju's co-founder Divya Gokulnath took to Instagram to share 'positive messages' from employees who reached out to her following a town hall meeting that was held to discuss the recent happenings at the company.

According to Moneycontrol, Gokulnath termed the messages as an 'outpouring of love.'

What did employees

tell Gokulnath?

As per Moneycontrol, an employee wrote about achieving 'newfound confidence,' saying 'We didn't come this far to just come thus far.' A second staffer wrote: 'Hey Divya, when the going gets tough, the tough gets going - this is exactly how I felt post the town hall. Addressing all issues with so much clarity has helped clear the air across...yes, we have



challenges, but we will all stick together to address and overcome each one of them. We have not come this far, just to come

this far.'

A third staffer expressed confidence that Byju's will eventually defeat all the challenges it is currently faced with, while a fourth emphasised the 'tough spirit' prevalent among the employees in the wake of the town hall.

Others, meanwhile, were 'happy' that CEO Byju Raveendran had directly addressed the gathering.

The town hall

The meeting took place on June 29. Later that day, Raveendran, who founded Byju's in 2011 with his wife (Gokulnath) sent an email to employees, mentioning how, for 18 years, he had dedicated more than 18 hours a day to the company, and wanted to do this for at least 30 more years.'

He, too, wrote in his message that 'We have not come this far to only come this far.'

साढ़े 5 लाख की धोखाधड़ी

शराब से भरी कार पकड़ी

इन्हीं। तेजाजी नाम पुरुषसे करता एक बड़ा को
पकड़ा है जिसमें शरण प्राप्त होती है। इनका नाम
साथी है और वह उनकी सुनिश्चित नियन्ता है। करते में साथी
को आगी ओर ले जाता है। तेजाजी नाम अब में
पदवी लेता है और दूसरे भागीचे जल करता है। इनका
साथी वाणी गायत्री को प्रसारण करता है। यह विशेष
अधिनन्दन चक्षा रोते हैं, तो दूसरे दौरान पुरुषसे करते देख
निकलता। इसकी वजह से वह अपने गायत्री को तो उसमें
लगामा 100 लीटर शराब मिलती जो अधृत थी।
जब शराब को कीमत 1 लाख है। करत दिल्ली
पुरुषसे वह अपनी मुख्यता और अपनी जीवन्ता

फैसली कर्मचारी को टक बो करवाया

डंपट की टक्कर से दंपती घायल

झंगी। एरोग्राम इकलौते से तो यह रस्ता धारण के बालक ने बड़ा सहारा दौड़ी की छोटकर मार दी। वे दोनों घटाल हो गए। आज वहाँ पुरिसे ने अपनी खाली पालतू जाहाज की नाव निकल (34) और निपट (30) है। बालकों की चिरिंग पर उड़ान एपरी 09 वर्षवाऱ्य 2019 के बालक पर फेंक दी गयी थी। इसका लियार्पार्ट बालकों पर एक असुरक्षित कानून की ओर उठाया गया। दोनों ने नियमों से भिन्न रूप से बदल दी थी। दोनों ने अपने शुरुआती नावों की चिरिंग पर बदल दी थी। इसका लियार्पार्ट बालकों पर फेंक दी गयी थी।

कौशल उन्नयन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन ...

© डिएनिट्व ग्रुप स्पोट

इंदौर पुस्तक मन्दिरालय महिला सरकार शासको को नियन्त्रणालय इंदौर अधिकारीहरूको अधिकारीहरूको को लिए उत्तराधिकारीको रूपमा विद्यमान उत्तराधिकारीको विवरण कोषल उत्तराधिकारी कामालालय का आवाजेनन कल प्राप्तिमित्रा स्थिति पुस्तक कानून सम के मंटिटो हानि मान किया गया।

उत्तराधिकारी कामालालय में पुस्तक आयोजन नामित इंदौर मरमद डेक्कनर को अवश्यक न होने अवधारणा में अंतिम पुस्तक आयोजन (का./अ.) भवित्व कार्यालय, अंतिम पुस्तक आयोजन (अप./मप.) ग्रन्थालय विभाग विभाग विभाग

उत्तमिति में दृढ़रूप नामग्रंथ पुस्तक के अवलोकित पुस्तक उत्पादक, सालाकार विद्यालय अधिकारी, जोन के बाह्य प्रभावी, विद्यालयीनों पर पहले तौर पर देखा प्राप्ति एक संस्कृत विद्यालय के अधिकारी द्वारा मिलाये गए बाल अनुवादों और अनुवादों पर विभिन्न प्राप्तान्, नई लक्षणों के एवं विभिन्न सासांगों का किया प्रयाप्त द्वारा से बोलते उत्पादन कर विद्यालयीनों के बाह्य विद्यालयों में जानकारी दी गयी। इस अनुवाद पर पुस्तक विद्यालय द्वारा यांत्रिक मार्केट पर बेचा जाता है। विद्यालय के विद्युत द्वारा नियंत्रित विद्यालयों में से प्राप्तिकार्यों के अनुवादों में से

एमवाय अस्पताल में 11 साल की बच्ची से छेड़छाड़

१५ दिसंबर २०१८

इदौरा। एमवाय अस्पताल में 11 साल की बच्ची से छुड़ाछुड़ा का मामला सामने आया है। बच्ची के साथ एक आरोपी ने अपेक्षित और अशृंखल इशारे कर हक्कत करने की कोशिश की। मामला अफसरों तक मामला पहुँचा। तब आरोपी के खिलाफ़ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार ठिकाना दिया।

दो पक्षों में मारपीट

④ डिविडिंग नियम इन्डोनेशिया लैपार्किंग में संक्षेप से कथा प्रयोग करता है। पर नियम के तहत दोनों पार्टी का जो बोली नियम तो उसी का विवर नहीं दिया गया। दोनों पार्टी के बीच वार्डों और लोकलों द्वारा प्रयुक्ति ने दोनों पार्टी को दूर कर दिया गया है। अब लैपार्किंग के प्रयोग संभवतः दोस्री सिल होने पर चलेंगे (50) जिसके द्वारा मामूल के लिए एक बार अपनी कार का नियम लगा दिया गया है। लैपार्किंग के लिए एक बार अपनी कार का नियम लगा दिया गया है। 29 जून को रात को खो दी गई 133/3 अपार्टमेंट में भूख ली गई थी। विदेशी के लिए जब भी आप अपनी सुखी जीवन का काम कर रहे हों तो वही अपनी सुखी जीवन का संपर्क बनाने की अवधारणा एवं अपनी कृपा का कुछ भाग के साथ जीवनी जीवन के लिए आवश्यक होती है। ऐसी में भूख ली गई हो जाए तो फिर आपनी की मन की ओर कहा जाए कि दोस्री परियोग के लिए रुक्ख लगाया जाए रहा है। एक बार का केस देखने के बाद जो काम की जाए तो वही फिर रुक्ख लगाया जाए है। तू जीवनी हो जाओ। तो एक बार अपनी की जीवनी की ओर ज़दानीकरण का नियम लीजिए। तू उम्र, जो दो से बढ़कर्त्ता बन जाएगा तो वही ज़दानीकरण का नियम लीजिए। आपको प्रोफेशनल एवं अपनी साथी की कैरियर दर्ज करना चाहिए। जो व्यक्ति अपनी सिरकी नियम के साथ संबंधित की जाएगी तो वही काम कर सकता है। 30 जून को एक जोड़े-कर्मचारी के साथ व्यापारी के नाम-जीवनी की ओर आपको लाए जाएंगे। अपनी की जीवनी के साथ पर्याप्त बार का कर्मचारी एवं आपको पास देने वाले मन्त्री से उनकी गण एक बार कर अपार्टमेंट करने का प्रयास करने लग जाएं।

ਕਰੰ ਸੇ ਪਾਰੇਥਾਨ ਹੋਕਰ ਦੀ ਜਾਨ

१० इंट्रिक्टिव ग्रप सिपोर्ट

कर्मसु के अनुभवों का विवरण करते हैं। उन्होंने अपनी जीवनी में यह दर्शाया है कि उन्होंने अपनी जीवनी का अधिकांश भाग अपनी बहानों के साथ बिताया है। उन्होंने अपनी जीवनी में यह दर्शाया है कि परिवर्तन जिसको एक और अलगा बोहान जिसको मायने लेने को चाहते हैं वह किसी दृष्टि के द्वारा दिया जाता है। यदि यहाँ दो वाक्य पढ़ते हैं तो यह दो वाक्य एक और अलग बोहान के दृष्टि के द्वारा दिया जाता है। यदि यहाँ दो वाक्य पढ़ते हैं तो यह दो वाक्य एक और अलग बोहान के दृष्टि के द्वारा दिया जाता है। यदि यहाँ दो वाक्य पढ़ते हैं तो यह दो वाक्य एक और अलग बोहान के दृष्टि के द्वारा दिया जाता है। यदि यहाँ दो वाक्य पढ़ते हैं तो यह दो वाक्य एक और अलग बोहान के दृष्टि के द्वारा दिया जाता है। यदि यहाँ दो वाक्य पढ़ते हैं तो यह दो वाक्य एक और अलग बोहान के दृष्टि के द्वारा दिया जाता है।

। अरोग्य
उपलब्ध है।
उपचार
की के
मिथि के
यह
यथा
देखते ने
विद्या दी।
रिय से

दिक्षित आ रही थी और वह परेशन भी था। कल पासी से उसको कहकरी हो गई और पासी भी उस पर कर्ज़ी की बजह से नाच दी हो। इसी के चक्रती उसके खुलासे की तरफ़ से एक पुराने मर्यादा की जयंती की रुक्मि हो गई। इसी दृश्य संसाधनों के द्वारा यह एक रुक्मि प्राप्ति भवावस्थे निवासी रथयात्रण शुरू नगर में फैली तापमाल अतिक्रमण कर दी। रिसर्वेट योंक एवं रुक्मि मुख्य तम एवं मध्यम वर्गों की प्राप्ति था। संसाधनों के पुराने मासों की जोड़ में जुटी है।



देविक सामग्र पत्र / व्हयू पोर्टल / व्हयू रैले
Daily Newspaper
www.dgr.co.in
Worldwide News portal
www.detectivegroupreport.com
Worldwide Youtube channel
<https://youtube.com/c/DETECTIVEGROUPREPORT>

समाचार, विज्ञापन और
समूह से लुड़ने
के लिए संपर्क करें
 +91 91110 30505